

मुख्य परीक्षा

प्र-1. भारत में आपदा प्रबंधन हेतु राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के द्वारा वर्ष 2005 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम लाया गया। इस अधिनियम के उद्देश्यों को बताते हुए इसके प्रमुख प्रावधानों की चर्चा करें।

(10 अंक, 150 शब्द)

The National Disaster Management Cell brought National Disaster Management Act in 2005 for disaster management in India. Enumerate the objectives of the act and discuss its main provisions. (10 Marks,150 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर- भूमिका-

26 दिसम्बर, 2004 को हिन्द महासागर में आए विध्वंसक सुनामी द्वारा तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश, ओडिशा तथा केरल के तटीय क्षेत्रों एवं अण्डमान एवं निकोबार में मचायी गई भारी तबाही के बाद भारत सरकार ने आपदा पूर्व एवं आपदापरान्त प्रबंधन की व्यापक विधि, उपागम एवं योजना को संवैधानिक रूप देते हुए 8 फरवरी, 2005 को आपदा प्रबंधन विधेयक पारित किया।

इन अधिनियम का मुख्य उद्देश्य आपदा प्रबंधन के प्रति एक समग्र तथा एकीकृत व्यवस्था की स्थापना करना है, जिसमें आपदा के रोकथाम, आपदा पूर्व तैयारी व आपदा उपरान्त रिकवरी इत्यादि से जुड़ी संस्थाएं शामिल होंगी।

⇒ इस अधिनियम के मुख्य प्रावधानों के अन्तर्गत निम्नलिखित पक्षों को शामिल किया गया है-

- आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में संस्थागत संरचना की स्थापना करना। यह संरचना त्रिस्तरीय होगी। (राष्ट्रीय स्तर पर, NDMA, राज्य स्तर पर SDMA, जिला स्तर पर DDMA)
- इस संस्थागत संरचनाओं का नेतृत्व क्रमशः प्रधानमंत्री, संबंधित मुख्यमंत्री तथा संबंधित जिला अधिकारी के द्वारा किया जाना।
- केंद्र तथा राज्य स्तर पर कार्यकारी समितियों का गठन व जिला स्तर पर कार्यकारी समिति के स्थान पर स्थानीय निकाय का गठन।
- आपदा प्रबंधन के लिए क्षमता विकास हेतु राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान की स्थापना करना।
- आपदा के समय सुनियोजित तथा वैज्ञानिक कार्यवाही के लिए NDRF की स्थापना करना।
- आपदा प्रबंधन के वित्तीय प्रावधान हेतु केंद्र तथा राज्य स्तर पर आपदा प्रबंधन कोष की स्थापना।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

मुख्य परीक्षा

प्र-2. क्यों प्रायद्वीपीय भारत की अपेक्षा उत्तर और पूर्वोत्तर भारत के क्षेत्र बाढ़ से अधिक ग्रसित होते हैं? स्पष्ट करें।
(10 अंक, 150 शब्द)

Why the north and eastern regions are more flood affected regions of India as compared to peninsular India? Explain. (10 Marks , 150 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर- भूमिका-

बाढ़ का सामान्य अर्थ किसी विस्तृत स्थलीय भाग का लगातार कई दिनों तक जलमग्न रहने से है। सामान्य शब्दों में बाढ़ की स्थिति उस समय होती है, जब जल, नदी के किनारों के ऊपर से प्रवाहित होकर उस नदी के समीपी भागों को जलमग्न कर देता है।

मुख्य विषय वस्तु :

प्रायद्वीपीय भारत की अपेक्षा उत्तर और पूर्वोत्तर भारत के क्षेत्र बाढ़ से अधिक प्रभावित हैं, जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित पक्षों को मुख्य कारण माना जा सकता है-

- भौगोलिक अवसंरचना।
- सिन्धु, गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र जैसी बड़ी नदियों का अपवाह क्षेत्र, साथ ही इनके सहायक नदी कोसी, लोहित आदि का होना।
- जनसंख्या घनत्व इन क्षेत्रों में अधिक होना।
- नदी मुहानों, जल-प्रवाह क्षेत्रों में अवैध अवसंरचना निर्माण।
- मौसमी/मानसूनी वर्षा अपेक्षाकृत अधिक प्राप्त होना।
- मानसून जैसी आवर्ती पवनों का प्रवाह।
- सूर्य की आभाषी गति के कारण मानसून क्रिया।
- बृहद् स्तरीय वन विनाश।
- ऋटिपूर्ण कृषि पद्धति।
- नदियों का अत्यन्त घुमावदार मार्ग।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

मुख्य परीक्षा

प्र-3. 'प्रकृति केवल संकट उत्पन्न करती है, किन्तु मानव इसे आपदा में बदल देता है।' विवेचना कीजिए।

(10 अंक, 150 शब्द)

Nature only yeilds hazard but man converts it into disaster. Comment.

(10 Marks , 150 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर- भूमिका-

प्राकृतिक आपदा एक प्राकृतिक जोखिम का परिणाम है (जैसे बाढ़, सूखा, ज्वालामुखी विस्फोट, भूकम्प, भूस्खलन, ओजोन क्षरण आदि)। मुख्य रूप से अपने स्वार्थ पूर्ति हेतु मनुष्यों के द्वारा प्रकृति का अत्यधिक दोहन से संकट, संकट ना रहकर आपदा में परिवर्तित हो जाता है।

मुख्य विषय वस्तु-

प्राकृतिक एवं प्रौद्योगिकीय (Technological, मानव जनित) आपदाओं की संख्या में भूमण्डलीय स्तर पर निरन्तर वृद्धि हो रही है। इस तरह की वृद्धि के लिए निम्न कारण उत्तरदायी माना जा सकता है-

- निर्वनीकरण व अवैज्ञानिक कृषि पद्धति।
- विश्व स्तर पर जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो एवं परिणामस्वरूप आपदा प्रभावित एवं सुभेद्य क्षेत्रों में मानव अधिवासों में लगातार हो रही वृद्धि।
- प्राकृतिक एवं मानव जनित कारणों से भूमण्डलीय तापमान में लगातार वृद्धि का होना, जिससे भीषण ताप लहर दावानल, शीत लहर, हिमपात, हिम तूफानों, आकस्मिक बाढ़, सूखा आदि घटनाओं का घटित होना।
- प्रगत प्रौद्योगिकी (Advanced Technoliges) का अधिकाधिक प्रयोग।
- विवर्तनिक क्रियाओं यथा प्लेटों का संचयन तथा उससे उत्पन्न भूकम्प, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी घटनाओं का विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि, जिससे मानव निर्मित अवसंरचना के विध्वंस के कारण आपदा में परिवर्तन भूकम्प सुनामी आदि से प्रौद्योगिकीय विफलता से उत्पन्न आपदायें, यथा: परमाणु शक्ति संयंत्रों की विफलता, रासायनिक कारखानों से जहरीली गैसों का रिसाव, पेट्रोलियम के भण्डारों में आग लगना, विभिन्न प्रकार की दुर्घटनायें शामिल है।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

मुख्य परीक्षा

प्र-4. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में नोडल राष्ट्रीय जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान को स्पष्ट करते हुए इसके प्रमुख कार्यों पर प्रकाश डालें। (10 अंक, 150 शब्द)

The National Disaster Management Authority has been provided the nodal national responsibility in the field of disaster management. Explain National Disaster Management Authority and highlight its main functions.

(10 Marks , 150 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर- भूमिका-

राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान (NIDM) एक प्रमुख राष्ट्रीय संगठन है, जो आपदा निवारण और प्रबंधन के क्षेत्र में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर मानव संसाधन विकास के लिए कार्य कर रहा है। एनआईडीएम प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए राष्ट्रीय, राज्य, जिला स्तर के प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों की तैयारी कर रहा है और विभिन्न स्तरों पर अनुसंधान, प्रशिक्षण, सिस्टम विकास और विशेषज्ञता पदोन्नति सहित नीतिगत सलाह प्रदान करने और सुविधा प्रदान करके सरकार के लिए एक थिंक टैंक के रूप में कार्य करती है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान को निम्नलिखित विशिष्ट कार्य सौंपे गए हैं।

- प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करना
- आपदा प्रबंधन में अनुसंधान और प्रलेखन करना
- विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों को व्यवस्थित करना
- आपदा प्रबंधन के सभी पहलुओं को कवर करने के लिए एक व्यापक मानव संसाधन विकास योजना तैयार करना और कार्यान्वित करना।
- शैक्षिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों सहित आपदा प्रबंधन के लिए शैक्षिक सामग्री विकसित करना।
- विद्यालय या महाविद्यालयों के शिक्षकों और छात्रों, तकनीकी कर्मियों और बहु-खतरा उपशमन, तैयारियों और प्रतिक्रिया उपायों से जुड़े अन्य लोगों सहित हितधारकों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना।
- उपरोक्त बिन्दुओं को बढ़ावा देने के लिए देश के भीतर और बाहर अध्ययन पाठ्यक्रम, सम्मेलनों, व्याख्यान, सेमिनारों को व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाना।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

मुख्य परीक्षा

प्र-5. प्राकृतिक आपदाओं के साथ-साथ औद्योगिक, रासायनिक एवं नाभिकीय आपदायें भी हमारे सामने एक महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनती जा रही हैं, इसे स्पष्ट करते हुए इसके कारणों को बतायें। भारत के संदर्भ में इससे संबंधित कुछ उदाहरण भी प्रस्तुत करें। (10 अंक, 150 शब्द)

Along with natural disasters, industrial, chemical and nuclear disasters are also surfacing as major challenges before us. Explain it with its causes. Give some examples related with it in the context of India.

(10 Marks , 150 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर- भूमिका-

भारत जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था के विकास की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे उद्योगों एवं पर्यावरण में आपदा के प्रति सुभेद्यता में वृद्धि हुई है। पिछले कुछ दशकों से रासायनिक उद्योगों की मात्रा बढ़ने से देश में रासायनिक आपदाओं की आवृत्ति एवं तीव्रता दोनों में ही वृद्धि हुई है।

मुख्य विषय वस्तु-

औद्योगिक, रासायनिक एवं नाभिकीय आपदायें के अन्तर्गत निम्नलिखित कारणों को देखा जा सकता है-

- खतरनाक तत्वों के प्रक्रमण तथा भण्डारण (Processing and Storage) से संबंधित दुर्घटनाएं।
- कच्चे पदार्थों के निष्कासन (Extraction) तथा खनन (Mining) से संबंधित दुर्घटनाएं।
- संरचना की विफलता तथा आग लगाना।
- बिजली का अत्यधिक उपयोग तथा खतरनाक वस्तुओं का विस्फोट, यथा: पटाखों के विस्फोट संबंधी दुर्घटना।
- रेडिएशन सन्दूषण (Radiation Contamination)।
- खतरनाक जैविक तत्वों के भण्डारण, रख-रखाव तथा उनके इस्तेमाल के समय जैव प्रयोगशालाओं तथा स्वास्थ्य केंद्रों में दुर्घटना।
- रासायनिक जैविक, रेडियोलाजिकल तथा परमाणु तत्वों से संबंधित दुर्घटनायें।
- परमाणु शक्ति संयंत्रों में रिएक्टरों का मेल्टडाउन तथा रेडिएशन का रिसाव।
- रासायनिक कारखानों से जहरीली गैसों का रिसाव।

भारत में ऐसी आपदाओं का परिदृश्य :

- भोपाल गैस त्रासदी (2-3 दिसम्बर, 1984)।
- चसनाला (झारखण्ड) कोयला खदान आपदा (27 दिसम्बर, 1975)।
- शिवकाशी में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट एवं आगजनी (5 सितम्बर, 2012)।
- जयपुर गैस डिपो में आग का लगना।
- IOCL में विस्फोट (जून, 2008) आदि।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

मुख्य परीक्षा

प्र-6. भारत पर सुनामी का प्रभाव बहुत अधिक नहीं रहा किन्तु वर्ष 2004 की घटना की भयावहता ने इस ओर ध्यान आकर्षित किया है। सुनामी से उत्पन्न समस्या को देखते हुए इसके उपाय सुझाएं। (10 अंक, 150 शब्द)

The effect of Tsunami on India has not been much, but the dreadful incident of 2004 has attracted attention towards it. Analyze the Tsunami induced problems and suggest measures. (10 Marks , 150 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर- भूमिका-

समुद्री तूफान का जापानी भाषा में सुनामी कहते हैं। टेक्टोनिक कारणों एवं परिणामों की वजह से समुद्र तल का अपनी समानान्तर स्थिति से ऊपर उठना व लहरों का उर्ध्वधर विस्थापन का परिणाम सुनामी है। इसके कारण समुद्र में तेज एवं विशाल लहरें उठने लगती हैं, जो लगभग 800 किमी. प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ती है और तटीय इलाकों पर एक ऊँची दीवार के रूप में भीषण तरीके से हमला करती हैं और रास्ते में आने वाली हर एक चीज को नष्ट कर देती हैं। हाल ही में विनाशकारी सुनामी ने 26 दिसम्बर, 2004 को भारतीय तट पर काफी तबाही मचाई थी, जिससे लगभग 10,000 लोगों की जाने गईं और करीब 25,000 लोग प्रभावित हुए।

मुख्य विषय वस्तु-

सुनामी के खतरे से बचने का उपायों के अन्तर्गत निम्न पक्षों पर ध्यान देना आवश्यक है-

- सुनामी संभावित क्षेत्रों की पहचान कर उनका मानचित्रण करना।
- तटीय क्षेत्रों में पूर्वसूचना केंद्रों का विकास एवं विस्तार करना।
- चेतावनी मिलने के पश्चात् क्षेत्र को खाली कर देना चाहिए।
- सुनामी की चेतावनी मिलने के बाद समुद्र में कोई नौका या जलयान नहीं रहना चाहिए।
- मकान भूकम्परोधी के साथ-साथ तटीय इलाकों से दूर बनाए जाएँ तथा उनकी ऊँचाई बढ़ायी जाए।
- सुनामी से प्रभावित तटों पर नारियल जैसे वृक्षों की कतारें को लगाया जाना।
- तटों की लम्बवत् दिशा में ग्रोइन (Groyne) का निर्माण, जो लहरों की तीव्रता कम करने में सहायक हो सकती है, आदि।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।